Name of the College - A.P.S.M College Barauni
Name - Dr. Rajesh Kumar Suman [UIT]
Deptt → Economics
Unit → 1
Class → XI
Topic → आर्थिक क्रिया [Economic Activity]

⇒ आर्थिक क्रिया किसे कहते हैं?

⇒ अर्थशास्त्र की गतिविधियाँ वे गतिविधियाँ हैं जो समाज के हर स्तर पर माल के उत्पादन, विनिमय, वितरण और उपभोग से जुड़ी होती है। ये गतिविधियाँ सीमित संसाधनों के साथ, मानव की जरूरतों को पूरा करने के लिए, धन कमाने और धन के उत्पादन के एक मात्र उद्देश्य के साथ की जाती है।

→ अर्थशास्त्रियों के अनुसार :- "उस क्रिया को आर्थिक क्रिया कहते हैं जिसका सम्बन्ध मानवीय आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करने के लिए दुर्लभ साधनों के उपयोग से होता है।"

⇒ आर्थिक क्रियाओं के प्रकार [Kinds of Economic Activities]

→ आर्थिक क्रियाओं को निम्नलिखित भागों में बाँटा जा सकता है।

(1) उत्पादन [Production] → उत्पादन वह आर्थिक क्रिया है। जिसका सम्बन्ध वस्तुओं तथा सेवाओं की उपयोगिता अथवा मूल्य में वृद्धि करने से है।
Ex → कोई बढ़ई लकड़ी के टुकड़े चीरकर मेज व कुर्सी बनाना उत्पादन क्रिया है।

(2) उपभोग [Consumption] → उपभोग वह आर्थिक क्रिया है जिसका सम्बन्ध व्यक्तिगत और सामूहिक आवश्यकताओं की प्रत्यक्ष सन्तुष्टि के लिए वस्तुओं तथा सेवाओं की उपयोगिता के उपयोग से है।
Ex → रोटी खाना, दूध पीना आदि क्रियाएँ उपभोग कहलाती हैं।

(3) विनिमय [Exchange] - विनिमय वह क्रिया है जिसका सम्बन्ध किसी वस्तु का उत्पादन के पश्चात क्रय-विक्रय से है। इनका क्रय-विक्रय अधिकतर मुद्रा द्वारा किया जाता है। इस क्रिया को कीमत-निर्धारण [price determination] भी कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

⇒ कीमत निर्धारण को दो भागों में बाँटा जाता है।
(i) वस्तु कीमत निर्धारण [Product Pricing]-
(ii) साधन कीमत निर्धारण [Factor Pricing]-

(i) वस्तु कीमत निर्धारण :- इसके अन्तर्गत बाजार की विभिन्न दशाओं के अन्तर्गत वस्तु की कीमत निर्धारण का अध्ययन किया जाता है।

(ii) साधन कीमत निर्धारण :- इसके अन्तर्गत उत्पादन के विभिन्न साधनों,
Ex → भूमि, श्रम, पूँजी आदि के पुरस्कार निर्धारण की व्याख्या की जाती है। इस क्रिया को वितरण [Distribution] भी कहते हैं।

(4) राजस्व [Public Finance]- डॉ. डाल्टन के अनुसार "राजस्व लोक सत्ताओं की आय, उनके व्यय तथा उनमें पारस्पर समायोजन की विधि की विवेचना करता है।" इस विभाग में मुख्यतः हम सरकार की आय-व्यय व ऋण नीति तथा इनसे सम्बन्धित समस्याओं का अध्ययन करते हैं।

संक्षेप में, वे समस्त क्रियाएँ जिनका सम्बन्ध उत्पादन, उपभोग, विनिमय, वितरण व राजस्व से होता है, आर्थिक क्रियाएँ कहलाती हैं परन्तु क्रियाओं में उपयोगिता एवं दुर्लभता का गुण होना चाहिए। इन आर्थिक क्रियाओं का ही अर्थशास्त्र में अध्ययन किया जाता है।

Scanned with CamScanner